ऋण विमोचन नृसिंह स्तोत्रम्

देवताकार्य सिध्यर्थम् सभास्तम्भ समुद्भवम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥१॥
लक्ष्म्यालिङ्गित वामाङ्गम् भक्तानाम् वरदायकम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥२॥
आन्त्रमालाधरम् शङ्ख चक्राब्जायुध धारिणम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥३॥
स्मरणात् सर्व पापघ्नम् कद्रूजविष नाषनम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥४॥
सिंहनादेन महतादिग्दन्ति भयनाशनम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥५॥
प्रह्लाद वरदम् श्रीशम् दैत्येश्वर विदारिणम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥६॥
क्रूरग्रहैः पीडितानाम् भक्तानाम् अभयप्रदम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥७॥
वेदवेदान्त यज्ञेशम् ब्रह्मरुद्रादि वन्दितम्
श्री नृसिंहम् महावीरम् नमामि ऋणमुक्तये ॥८॥
य इदम् पठते नित्यम् ऋणमोचन सज्ञितम्
अनृणीजायते सद्यो धनम् शीघ्रमवाप्नुयात् ॥९॥